# RNA : Real News Analysis

# DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

**DATE**
**जनवरी**
**24**
**2025**

**Key Point**

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

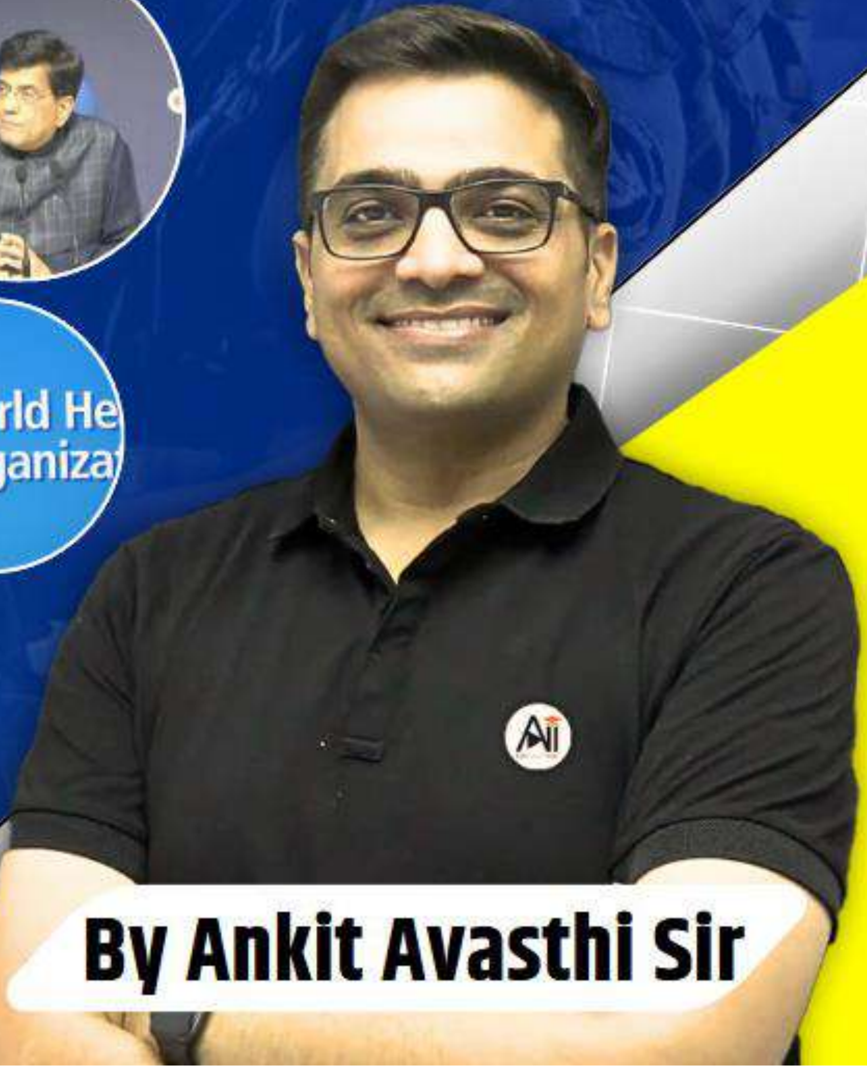

**By Ankit Avasthi Sir**

# भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का आकलन और माप / Estimation and Measurement of India's Digital Economy

**संदर्भ:**

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था के आकलन के लिए आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) के फ्रेमवर्क को अपनाने वाला पहला विकासशील देश बन गया है। यह रिपोर्ट पारंपरिक उद्योगों जैसे व्यापार, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, बीमा (BFSI) और शिक्षा में डिजिटल योगदान को भी शामिल करती है।

## रिपोर्ट की मुख्य निष्कर्ष (Key Findings):

1. **डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान:**
   - 2022-23 में भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का राष्ट्रीय आय में 11.74% योगदान था, जो 2024-25 तक 13.42% तक बढ़ने का अनुमान है।

Figure 4: GVA of India's Digital Economy, 2022-23

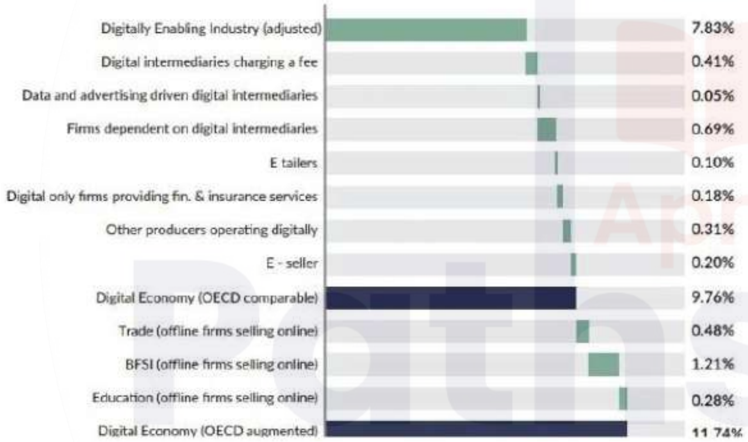


2. **तेजी से विकास दर:**
   - डिजिटल अर्थव्यवस्था समग्र अर्थव्यवस्था की तुलना में लगभग दोगुनी तेजी से बढ़ रही है और 2029-30 तक राष्ट्रीय आय में लगभग 20% का योगदान कर सकती है।
3. **अन्य क्षेत्रों से अधिक हिस्सेदारी:**
   - छह वर्षों के भीतर डिजिटल अर्थव्यवस्था का हिस्सा देश में कृषि और विनिर्माण क्षेत्रों से बड़ा हो जाएगा।
4. **रोजगार सृजन:**
   - 2022-23 में डिजिटल अर्थव्यवस्था ने 14.67 मिलियन (1.46 करोड़) श्रमिकों को रोजगार दिया, जो कुल कार्यबल का 2.55% है।
5. **सभी क्षेत्रों में विस्तार:**
   - डिजिटल अर्थव्यवस्था केवल ICT उद्योगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे आर्थिक तंत्र में तेजी से फैल रही है।

## डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास के लिए सिफारिशें:

1. **नियमात्मक अनिश्चितता को कम करना:**
   - डिजिटल प्लेटफॉर्म और मध्यस्थों के लिए नियमों को स्पष्ट और स्थिर बनाना आवश्यक है।
2. **डिजिटल साक्षरता और कौशल विकास:**
   - डिजिटल साक्षरता बढ़ाने और डिजिटल कौशल के विकास के लिए संयुक्त प्रयास अपनाने चाहिए।
3. **व्यवसाय करने में आसानी:**
   - डिजिटल क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्रक्रियाओं को सरल और सुगम बनाया जाए।
4. **साइबर सुरक्षा और विश्वास बढ़ाना:**
   - डिजिटल लेनदेन में सुरक्षा को बढ़ावा देकर उपयोगकर्ताओं का विश्वास सुनिश्चित करना।
5. **स्थायी ब्रॉडबैंड नेटवर्क का निर्माण:**
   - मोबाइल कवरेज को मजबूत करने के लिए स्थायी और मजबूत फिक्स्ड-लाइन ब्रॉडबैंड नेटवर्क विकसित करना।

## भविष्य की संभावनाएँ (Future Projections):

- डिजिटल अर्थव्यवस्था समग्र अर्थव्यवस्था की तुलना में लगभग दोगुनी तेजी से बढ़ेगी।
- 2030 तक यह राष्ट्रीय आय का लगभग एक-पाँचवां हिस्सा (20%) योगदान दे सकती है।
- इस विकास में डिजिटल प्लेटफॉर्म, मध्यस्थ और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ता डिजिटलीकरण मुख्य भूमिका निभाएंगे।

## डेटा और मापन से जुड़ी चुनौतियाँ (Challenges in Data and Measurement):

- रिपोर्ट में प्रस्तुत अनुमानों को सीमित डेटा उपलब्धता के कारण रुढ़िवादी माना गया है।
- प्रमुख कमी वाले क्षेत्रों में छोटे डिजिटल प्लेटफॉर्म, अनौपचारिक क्षेत्र का डिजिटलीकरण, और स्वास्थ्य व लॉजिस्टिक्स जैसे पारंपरिक क्षेत्रों का डिजिटलीकरण शामिल हैं।

# जूट के एमएसपी में 6% बढ़ोतरी की घोषणा / 6% hike in MSP of jute announced

**संदर्भ:**

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने विपणन सत्र (Marketing Sessions) 2025-26 के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में 6% की वृद्धि को मंजूरी दी है।

**मुख्य बिंदु: कच्चे जूट के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP):**

1. **2025-26 के लिए MSP:**
   - कच्चे जूट (TD-3 ग्रेड) का MSP ₹5,650/- प्रति क्विंटल तय किया गया है।
   - यह अखिल भारतीय औसत उत्पादन लागत पर 66.8% का रिटर्न सुनिश्चित करेगा।
   - यह MSP 2018-19 के बजट में घोषित 1.5 गुना औसत उत्पादन लागत के सिद्धांत के अनुरूप है।
2. **पिछले सीजन की तुलना में वृद्धि:**
   - 2024-25 की तुलना में 2025-26 में ₹315/- प्रति क्विंटल की वृद्धि हुई है।
   - 2014-15 में ₹2,400/- प्रति क्विंटल से 2025-26 में ₹5,650/- प्रति क्विंटल तक, कुल ₹3,250/- (2.35 गुना) की वृद्धि हुई।

**जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (JCI) और न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP):**

1. **JCI की भूमिका:**
   - जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (JCI) भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगी।
   - यह किसानों से तय कीमत पर जूट की खरीद (Price Support Operation) करेगा।
   - यदि इस प्रक्रिया में कोई नुकसान होता है, तो उसकी भरपाई केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी।
2. **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP):**
   - यह सरकार द्वारा किसानों को उनकी फसल के उचित दाम की गारंटी देने के लिए तय किया जाता है।
   - MSP किसानों को फसल के दाम में अचानक गिरावट से बचाने के लिए एक सुरक्षा उपाय है।
   - सरकार फसल बुआई के मौसम की शुरुआत में MSP की घोषणा करती है।
   - इसकी सिफारिश "कृषि लागत एवं मूल्य आयोग" (CACP) द्वारा की जाती है।

**जूट (Jute):**

जूट को **गोल्डन फाइबर** भी कहा जाता है क्योंकि यह एक प्राकृतिक, नवीकरणीय, बायोडिग्रेडेबल और पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद है।

**1. खेती के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ:**

- **तापमान:** 25-35°C
- **वर्षा:** 150-250 सेमी
- **मिट्टी का प्रकार:** अच्छी तरह से जल निकासी वाली जलोढ़ मिट्टी

**2. उत्पादन:**

- **भारत:** जूट का सबसे बड़ा उत्पादक है।
- **बांग्लादेश और चीन:** उत्पादन में भारत के बाद आते हैं।
- **व्यापार में हिस्सेदारी:**
  - बांग्लादेश वैश्विक जूट निर्यात में तीन-चौथाई योगदान करता है।
  - भारत का वैश्विक निर्यात में योगदान केवल 7% है।
- **मुख्य उत्पादक राज्य:** पश्चिम बंगाल, असम और बिहार, जो कुल उत्पादन का 99% हिस्सा हैं।
- **संग्रहण क्षेत्र:** गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा की समृद्ध जलोढ़ मिट्टी के कारण पूर्वी भारत में केंद्रित है।

**3. उपयोग:**

- **उपयोग के क्षेत्र:** गननी बैग, मैट, रस्सियाँ, धागा, कालीन और अन्य हस्तशिल्प बनाने में उपयोग होता है।

**सरकारी कदम जूट उत्पादन के लिए:**

1. **जूट पैकेजिंग सामग्री (अनिवार्य उपयोग) अधिनियम, 1987 का जारी रखना:**
   - सरकार ने खाद्यान्नों के लिए 100% और चीनी के लिए 20% जूट पैकेजिंग सामग्री में पैक करने की बाध्यता बनाई है।
2. **कच्चे जूट के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP):**
   - सरकार ने कच्चे जूट के लिए MSP तय किया है, जिससे किसानों को लाभ होता है।
3. **राष्ट्रीय जूट विकास कार्यक्रम (NJDP)**
   - सरकार ने 2021-22 से 2025-26 तक जूट क्षेत्र के समग्र विकास और प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रीय जूट विकास कार्यक्रम (NJDP) की स्वीकृति दी है।

# राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य सम्मेलन 2025 / National Tribal Health Conclave 2025

**संदर्भ:**

20 जनवरी 2025 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया। यह आयोजन जनजातीय कार्य मंत्रालय (MoTA) और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoH&FW) द्वारा **धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान** के अंतर्गत किया गया।

**जनजातीय स्वास्थ्य सम्मेलन के उद्देश्य:**

**1. स्वास्थ्य सेवा वितरण मॉडल पर चर्चा:** जनजातीय क्षेत्रों के लिए **नवोन्मेषी स्वास्थ्य सेवा मॉडल** का अन्वेषण और विचार-विमर्श।

**2. नीति हस्तक्षेप और अनुसंधान के प्राथमिक क्षेत्र:** नीति निर्माण और अनुसंधान के लिए **प्राथमिकता वाले क्षेत्रों** की पहचान।

**3. सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त स्वास्थ्य रणनीतियां:** स्वास्थ्य जागरूकता और सेवा उपयोग बढ़ाने के लिए **सांस्कृतिक रूप से अनुकूल रणनीतियों** का विकास।

**4. स्वास्थ्य प्रणाली को सशक्त बनाना: क्षमता निर्माण, सामुदायिक भागीदारी, और निगरानी तंत्र** के माध्यम से स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना।

**5. व्यापक कार्य योजना का निर्माण:** जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और परिणामों को बेहतर बनाने के लिए एक **व्यापक कार्य योजना** तैयार करना।

**जनजातीय स्वास्थ्य में प्रमुख प्रयास और पहल:**

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय (MoTA) ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoH&FW), AIIMS, और अन्य भागीदारों के साथ मिलकर जनजातीय स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल शुरू की हैं:

**1. भगवान बिरसा मुंडा चेयर ऑफ ट्राइबल हेल्थ एंड हेमेटोलॉजी:**

- AIIMS दिल्ली में स्थापित इस चेयर का उद्देश्य जनजातीय स्वास्थ्य पर अनुसंधान और डेटा संग्रह के लिए एक बहु-विषयक मंच प्रदान करना है।

**2. सेंटर ऑफ कॉम्पिटेंस (CoC):**

- 14 राज्यों में **15 सेंटर ऑफ कॉम्पिटेंस (CoCs)** को मंजूरी दी गई है।
- इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य सिक सेल एनीमिया, जो जनजातीय समुदायों में एक आम आनुवंशिक समस्या है, का उन्नत और प्रसव पूर्व निदान सुनिश्चित करना है।

**3. सहयोगात्मक दृष्टिकोण:**

- MoTA ने MoH&FW, MoAYUSH, MoWCD, NHM, AIIMS, CoCs, ICMR, UN एजेंसियों, NGOs, और राज्य जनजातीय कल्याण विभागों के साथ मिलकर प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए सहयोग किया है।

**भारत में जनजातीय समुदाय: परंपरा, स्थिति और जनसंख्या:**

**1. जनजातीय समुदायों की विशेषताएं:**

- जनजातीय समुदायों की अपनी **समृद्ध परंपराएं, संस्कृति और विरासत** होती है।
- इनकी जीवनशैली और रीति-रिवाज अद्वितीय होते हैं।
- जनजातीय समूह आमतौर पर **भौगोलिक रूप से अलग-थलग** रहते हैं और **समान व आत्मनिर्भर** होते हैं।

**2. भारत में जनजातीय स्थिति:**

- भारत में जनजातीय समूह सबसे पुराने मानववंशीय समूहों में से एक माने जाते हैं।
- इन्हें अक्सर "आदिवासी" (मूल निवासी) कहा जाता है।
- "आदिवासी" शब्द को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) इन्हें **"स्वदेशी" (Indigenous)** के रूप में वर्गीकृत करता है।
- भारत में दुनिया की **दूसरी सबसे बड़ी जनजातीय जनसंख्या** है, जिसमें लगभग **10 करोड़ आदिवासी** शामिल हैं।

**3. जनसंख्या के आंकड़े 2011 की जनगणना:** के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या का **8.9%** जनजातीय समुदायों का हिस्सा है।

**4. भौगोलिक वितरण:**

- **उत्तर-पूर्वी राज्यों** में जनजातीय समूहों की विशिष्ट जातीयता है, और वे मुख्यधारा से अधिक अलग-थलग रहते हैं।
- **केंद्रीय और दक्षिणी क्षेत्र** में 80% से अधिक जनजातीय समुदाय बसते हैं, जहां इनका गैर-जनजातीय समुदायों से अधिक संपर्क होता है।

**जनजातीय समुदायों के सामने चुनौतियां:**

**1. सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण:** अपनी **संस्कृति, परंपराओं और भाषा** को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है।

**2. आर्थिक और सामाजिक असमानताएं:** गरीबी, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, और शिक्षा तक सीमित पहुंच जनजातीय समुदायों की स्थिति को और जटिल बनाती है।

**3. अधिकार और संसाधनों की रक्षा: भूमि और प्राकृतिक संसाधनों** पर अधिकारों को सुरक्षित करना एक महत्वपूर्ण समस्या है।

**4. रोजगार और आजीविका की समस्याएं:** बेरोजगारी और **आधुनिक कौशल प्रशिक्षण** की कमी आर्थिक कठिनाइयों को बढ़ाती है।

**5. भेदभाव और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी की कमी:** सामाजिक **भेदभाव** और नीति निर्माण में **प्रतिनिधित्व की कमी** उनकी स्थिति को कमजोर करती है।

**6. पारंपरिक ज्ञान और संसाधनों का ह्रास:** आधुनिकरण के कारण जनजातीय समुदायों का **पारंपरिक ज्ञान और संसाधन** धीरे-धीरे समाप्त हो रहे हैं।

# अमेरिका फर्स्ट ट्रेड पॉलिसी / America First Trade Policy

**संदर्भ:**

ट्रंप **की 'अमेरिका फर्स्ट ट्रेड पॉलिसी'** के तहत अमेरिका के मौजूदा व्यापार समझौतों और क्षेत्रीय व्यापार समझौतों की समीक्षा की जाएगी।

यह भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिसने 2023 में अमेरिका के साथ **$50 बिलियन** का व्यापार अधिशेष दर्ज किया, जो 2019 **में $25 बिलियन** था।

**ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति का उद्देश्य और वैश्विक व्यापार पर प्रभाव:**

**उद्देश्य:**

- **घरेलू उत्पादन को बढ़ावा:**
  - अमेरिका में विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित करना।
  - चीन सहित अन्य देशों से आयात कम करने के लिए विदेशी वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगाना।
- **प्रतिस्पर्धा बढ़ाना:**
  - अमेरिकी उत्पादकों को सस्ती विदेशी वस्तुओं के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाने का प्रयास।

**वैश्विक व्यापार पर प्रभाव:**

1. **बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली पर खतरा:**
   - यह नीति *विश्व व्यापार संगठन (WTO)* जैसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त नियमों और संस्थानों को चुनौती देती है।
   - ट्रम्प का सीधा व्यापार समझौते पर जोर नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था को कमजोर करता है।
2. **अस्थिर व्यापार संबंध:**
   - अमेरिकी शक्ति का लाभ उठाने की यह रणनीति व्यापारिक साझेदारों के साथ अस्थिरता पैदा कर सकती है।
   - अन्य देशों द्वारा प्रतिशोधी कदम उठाए जा सकते हैं, जिससे वैश्विक व्यापार संरचना पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

**अमेरिका फर्स्ट व्यापार नीति और भारत पर प्रभाव:**

1. **व्यापार घाटे की समीक्षा:**
   - ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका के व्यापार घाटे और उसके आर्थिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावों की जांच करने का निर्णय लिया।
2. **टैरिफ युद्ध:**
   - ट्रंप ने पहले कार्यकाल में भारत सहित कई देशों से आयातित स्टील पर 25% और एल्युमीनियम पर 10% टैरिफ लगाया, राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए।
   - अमेरिका ने भारत को दी जाने वाली "सामान्य वरीयता प्रणाली" (GSP) का लाभ भी समाप्त कर दिया।
3. **भारत पर प्रभाव:**
   - **टैरिफ का खतरा:** भारत के प्रमुख निर्यात जैसे फार्मा, रत्न एवं आभूषण, और समुद्री उत्पाद अमेरिकी टैरिफ के प्रति संवेदनशील हैं।
   - **व्यापार अधिशेष:** भारत का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 2019 में $25 बिलियन से बढ़कर 2023 में $50 बिलियन हो गया।
   - **GSP समाप्ति:** GSP लाभ खत्म होने से भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा, क्योंकि भारत इसका प्रमुख लाभार्थी था।

**भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार:**

**1. व्यापार साझेदारी:**
- अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- यह उन कुछ देशों में से एक है जिनके साथ भारत का व्यापार अधिशेष (Trade Surplus) है।

**2. द्विपक्षीय व्यापार के आँकड़े:**
- **FY 2023-24:** भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार $118.2 बिलियन पर रहा, जो FY 2021-22 के $128.78 बिलियन से थोड़ा कम है।
- **व्यापार अधिशेष:** FY24 में भारत का अमेरिका के साथ $36.8 बिलियन का व्यापार अधिशेष था।

**3. निवेश:**
- अमेरिका भारत में तीसरा सबसे बड़ा निवेशक है।
- अप्रैल 2000 से मार्च 2024 तक अमेरिका से भारत में $65.19 बिलियन का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) हुआ।

**4. भारत के प्रमुख निर्यात:**
- इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक सामान, रत्न और आभूषण।
- फार्मास्यूटिकल उत्पाद, हल्का कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद।
- इलेक्ट्रिकल उपकरण और अन्य।

**5. भारत के आयात:**
- खनिज ईंधन और तेल।
- मोती, बहुमूल्य और अर्ध-बहुमूल्य पत्थर।
- न्यूक्लियर रिएक्टर, बॉयलर और मशीनरी।
- इलेक्ट्रिकल मशीनरी और अन्य उपकरण।

# WHO से अमेरिका का बाहर होना / U.S. Withdrawal from WHO

**संदर्भ:**

हाल ही में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) से हटने का निर्णय लिया।

**अमेरिका की WHO से बाहर होने के कारण:**

1. **अप्रभावी होने के आरोप:**
    - ट्रम्प ने WHO को एक अप्रभावी संस्था के रूप में आलोचना की, उदाहरणस्वरूप, WHO COVID-19 महामारी को नियंत्रित करने में असफल रहा।
2. **भेदभावपूर्ण कार्यप्रणाली:**
    - अमेरिका का आरोप है कि WHO की कार्यप्रणाली भेदभावपूर्ण है, क्योंकि यह विकसित देशों से धन एकत्र कर विकासशील देशों पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है।
3. **पक्षपाती होने के आरोप:**
    - ट्रम्प का कहना है कि WHO अमेरिका के हितों के खिलाफ पक्षपाती है, क्योंकि इसने COVID-19 के फैलने की सही जानकारी अमेरिकी अधिकारियों को समय पर नहीं दी।
4. **चीन का प्रभाव:**
    - ट्रम्प का आरोप है कि WHO के वर्तमान निदेशक सामान्य रूप से चीन के प्रभाव में हैं, और चीन सार्वजनिक संबंध और बैकडोर फंडिंग के जरिए संगठन की साख को कमजोर कर रहा है।
5. **अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव:**
    - अमेरिका WHO को वार्षिक धन का लगभग 15% देता है, जिससे यह सबसे बड़ा योगदानकर्ता बनता है। इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है, जो राष्ट्रीय हितों के खिलाफ है।

**अमेरिका के WHO से बाहर होने का प्रभाव:**

1. **वित्तीय संकट:** अमेरिका WHO के कुल वार्षिक फंड का लगभग 15% योगदान देता था, जिससे उसकी वापसी से फंडिंग में कमी आएगी।
2. **कार्य संचालन पर असर:** फंड और संसाधनों की कमी से WHO की योजनाएं, जैसे मुफ्त वैक्सीन वितरण, प्रभावित हो सकती हैं।
3. **छवि पर असर:** अमेरिका की वैश्विक साख और कूटनीतिक प्रभाव WHO की विश्वसनीयता को बनाए रखते थे, अमेरिका के हटने से WHO की छवि को नुकसान हो सकता है।
4. **अन्य देशों का प्रभाव:** अमेरिका के हटने से अन्य देश भी WHO से बाहर हो सकते हैं, जिससे फंडिंग का बोझ और बढ़ जाएगा।
5. **भविष्य की महामारी का खतरा:** WHO की 'वन हेल्थ' और 'GAVI वैक्सीन एलायंस' जैसी योजनाएं कमजोर पड़ सकती हैं, जिससे भविष्य में महामारी से निपटने की क्षमता घट सकती है।

**विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के बारे में:**

- **स्थापना:** WHO एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है, जिसे 1948 में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, दुनिया को सुरक्षित रखने और असहायों की सेवा करने के लिए स्थापित किया गया था।
- **संविधान:** WHO का संविधान 1946 में अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य सम्मेलन द्वारा अपनाया गया था और 61 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षरित किया गया था।
- **प्रवर्तन:** संविधान 7 अप्रैल 1948 को प्रभाव में आया, जिसे अब प्रत्येक वर्ष *विश्व स्वास्थ्य दिवस* के रूप में मनाया जाता है।
- **सदस्य देश:** वर्तमान में WHO के 194 सदस्य देश हैं।
- **भारत की सदस्यता:** भारत ने 12 जनवरी 1948 को WHO संविधान की सदस्यता प्राप्त की।
- **मुख्यालय:** जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड।
- **शासन संरचना:**
    - WHO का शासन *विश्व स्वास्थ्य सभा* द्वारा किया जाता है, जो मुख्य निर्णय-निर्माण निकाय है।
    - *कार्यकारी बोर्ड* सभा के निर्णयों को लागू करता है।
    - WHO के *निर्देशक-महानिदेशक* की नियुक्ति स्वास्थ्य सभा द्वारा कार्यकारी बोर्ड की नामजदगी पर की जाती है।

**WHO के महत्वपूर्ण उद्देश्य:**

1. **वैश्विक स्वास्थ्य कवरेज का विस्तार:** WHO का प्रमुख उद्देश्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का विस्तार करना है।
2. **रोग रोकथाम, नियंत्रण और उन्मूलन:** WHO रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और उन्मूलन पर विशेष ध्यान केंद्रित करता है, साथ ही स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए काम करता है।
3. **वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों पर नेतृत्व:** WHO वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों पर नेतृत्व प्रदान करता है, सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए मानक स्थापित करता है, और देशों को तकनीकी सहायता और समर्थन प्रदान करता है।
4. **साझेदारी और सहयोग:** WHO विभिन्न साझेदारों के साथ सहयोग करता है, जिसमें अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां, सरकारें, नागरिक समाज संगठन और निजी क्षेत्र शामिल हैं।

# बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ / Beti Bachao Beti Padhao

**संदर्भ:**

22 जनवरी 2025 को **बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP)** योजना और **सुकन्या समृद्धि योजना** की लॉन्च की 10वीं वर्षगांठ मनाई गई।

**BBBP योजना (बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ):**

- **लॉन्च:** इस योजना को प्रधानमंत्री द्वारा 22 जनवरी 2015 को हरियाणा के पानीपत में एक प्रमुख योजना के रूप में लॉन्च किया गया।
- **लक्ष्य:** लिंग चयनात्मक गर्भपात को रोकना और गिरती हुई बाल लिंग अनुपात को सुधारना, जो 2011 में 1,000 लड़कों के मुकाबले 918 लड़कियाँ थीं।
- **लक्ष्य समूह (Target Groups):**
  - **प्राथमिक समूह (Primary Groups):** युवा जोड़े, गर्भवती माता-पिता, किशोर-किशोरियाँ, घरेलू परिवार, और समुदाय।
  - **द्वितीयक समूह (Secondary Groups):** स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र (AWCs), चिकित्सा पेशेवर, स्थानीय सरकारी निकाय, NGOs, मीडिया, और धार्मिक नेता।
- **साझेदारी और सहयोग:**
  - यह योजना महिला और बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, और शिक्षा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से लागू की जाती है।
  - बाद में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय तथा अल्पसंख्यक मामलों मंत्रालय को भी साझेदार के रूप में जोड़ा गया।
- **योजना का प्रकार:**
  - यह एक केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजना है, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) या पूंजीगत संपत्ति के निर्माण का कोई प्रावधान नहीं है।

**योजना का लाभ लेने के लिए पात्रता :**

- परिवार में 10 वर्ष से कम आयु की एक बालिका होनी चाहिए।
- परिवार की बालिका के नाम पर किसी भी **भारतीय बैंक में सुकन्या समृद्धि खाता** खोला जाना चाहिए।
- बालिका भारतीय निवासी होनी चाहिए।
- NRI नागरिक BBBP योजना के लिए पात्र नहीं हैं।

**BBBP योजना के तीन घटक:**

1. **लिंग अनुपात सुधार के लिए अभियान:**
   - बाल लिंग अनुपात (CSR) और जन्म के समय लिंग अनुपात (SBR) में गिरावट के मुद्दे को संबोधित करने के लिए अभियान शुरू किया गया।
2. **बहु-क्षेत्रीय हस्तक्षेप:**
   - देशभर में लिंग-महत्वपूर्ण जिलों में बहु-क्षेत्रीय हस्तक्षेप की योजना बनाई गई और इसे लागू किया जा रहा है।
3. **सुकन्या समृद्धि योजना:**
   - माता-पिता को बालिकाओं के लिए एक कोष बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए *सुकन्या समृद्धि योजना* शुरू की गई, जिसमें वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया गया है।

**योजना की उपलब्धियाँ (Achievements of the Scheme):**

1. **बाल लिंग अनुपात (Sex Ratio at Birth - SRB):** 2014-15 में 918 से बढ़कर 2023-24 में 930 हो गया।
2. **सकल नामांकन दर (Gross Enrollment Ratio - GER):** 2014-15 में 75.51% से बढ़कर 2023-24 में 78% हो गया।
3. **संस्थागत प्रसव (Institutional Deliveries):** 2014-15 में 61% से बढ़कर 2023-24 में 97.3% हो गया।
4. **मातृ मृत्यु दर (Maternal Mortality Rate - MMR):** 2014 में 130 मौतें प्रति लाख जीवित जन्म से घटकर 2023 में 97 मौतें हो गईं।
5. **शिशु मृत्यु दर (Infant Mortality Rate - IMR):** 1,000 जीवित जन्मों पर 39 मौतों से घटकर 2023 तक 28 मौतें हो गईं।

# एआई चिप्स के निर्यात के लिए अमेरिका का नया नियम / U.S.'s New Rule for Exporting AI Chips

**संदर्भ:**

अमेरिकी उद्योग और सुरक्षा ब्यूरो (BIS) ने एआई चिप्स और तकनीक की बिक्री और निर्यात को अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए विभिन्न स्तरों वाला एक प्रणाली विकसित की है।

**आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) चिप्स के लाइसेंसिंग और निर्यात के लिए तीन-स्तरीय ढाँचा:**

**1. तीन-स्तरीय प्रणाली (Three-Tier System):**

- **स्तर 1 (Tier 1):**
  - 18 अमेरिकी सहयोगी देशों के लिए कोई प्रतिबंध नहीं।
  - इसमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान जैसे देश शामिल हैं।
- **स्तर 2 (Tier 2):**
  - चीन और भारत जैसे देशों पर मात्रा की सीमा लगाई गई है।
  - उन्नत AI विकास में योगदान देने वाले लेनदेन के लिए *Validated End User (VEU)* प्राधिकरण की आवश्यकता होती है।
- **स्तर 3 (Tier 3):**
  - उत्तर कोरिया और ईरान जैसे हथियार-प्रतिबंधित देशों को उन्नत AI तकनीक तक कोई पहुँच नहीं दी जाती।

**उद्देश्य:**

यह ढाँचा अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने, संवेदनशील तकनीकों के प्रसार को रोकने और सहयोगी देशों के साथ AI तकनीक साझा करने में मदद करता है।

**नियमों से जुड़ी चिंताएँ (Concerns About These Regulations):**

1. **अमेरिकी वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर प्रभाव:**
   - आलोचकों का कहना है कि इन नियमों से तकनीकी क्षेत्र में अमेरिका की बढ़त कमजोर हो सकती है।
   - उदाहरण: NVIDIA के नेड फिंकले ने चिंता जताई कि व्यापक रूप से उपलब्ध तकनीकों को नियंत्रित करना अमेरिकी सुरक्षा को बढ़ावा नहीं देता।
2. **वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की उपलब्धता:**
   - Oracle के केन ग्लूक ने बताया कि नियम गैर-अमेरिकी चिप आपूर्तिकर्ताओं के अस्तित्व को नजरअंदाज करते हैं।
   - कंपनियाँ Huawei और Tencent जैसे वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं से GPU प्राप्त कर समान प्रदर्शन हासिल कर सकती हैं।
   - इससे नियमों की प्रभावशीलता कम हो सकती है और वैश्विक बाजार में अमेरिकी प्रतिस्पर्धा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

**भारत पर AI चिप निर्यात नियमों का प्रभाव:**

1. **AI हार्डवेयर अवसंरचना पर प्रभाव:**
   - इन नियमों से भारत की बड़ी AI हार्डवेयर निर्माण और तैनाती योजनाओं को चुनौती मिलेगी।
   - लाइसेंसिंग और व्यापार वार्ता की अनिश्चितता उभरती प्रौद्योगिकियों के स्थानीय विकास में बाधा उत्पन्न करेगी।
2. **AI डेटा सेंटर पर असर:**
   - बड़े पैमाने पर AI डेटा सेंटर, जिन्हें हजारों GPUs की आवश्यकता होती है, परियोजनाओं में देरी या आकार में कमी का सामना कर सकते हैं।
   - इससे वैश्विक कंपनियों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है, जबकि भारतीय कंपनियां पीछे रह जाएंगी।
3. **व्यापार वार्ता में अमेरिका का लाभ उठाने का प्रयास:**
   - अमेरिका इन नियमों का उपयोग भारत से शुल्क रियायतें या अन्य आयात प्रतिबंधों, जैसे PC आयात नियम, को आसान बनाने के लिए कर सकता है।
4. **राष्ट्रीय AI मिशन पर प्रभाव:**
   - GPU की सीमित पहुंच 2027 के बाद भारत की AI महत्वाकांक्षाओं को कमजोर कर सकती है।
   - भारत सरकार के ₹10,738 करोड़ के *इंडिया AI मिशन* के तहत 10,000 GPUs की खरीद पर असर पड़ सकता है।
5. **प्रतिस्पर्धी क्षमता पर प्रभाव:**
   - उन्नत AI चिप्स की सीमित उपलब्धता से नवाचार धीमा होगा, लागत बढ़ेगी, और परिचालन में देरी होगी, जिससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"
SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL
ANKIT AVASTHI
Video will be upload soon !
ANKIT AVASTHI

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

# GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

# APNI PATHSHALA

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

## UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP TEST SERIES

### UPPSC
( TEST SERIES )
299/- YEAR
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

### RO/ARO
( TEST SERIES )
ONLY 299/- YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

### BPSC
( TEST SERIES )
ONLY 299 YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

### SSC ( TEST SERIES )
ONLY 99/- YEAR
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

### RPF ( TEST SERIES )
ONLY 99/- YEAR
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

**Download** | Application
**Apni Pathshala**
7878158882

Apni.Pathshala | Avasthiankit
AnkitAvasthiSir | kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE
FOUNDATION BATCH
FOR ALL
POLITY
ECONOMICS
HISTORY
GEOGRAPHY
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Rs
4999/-
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

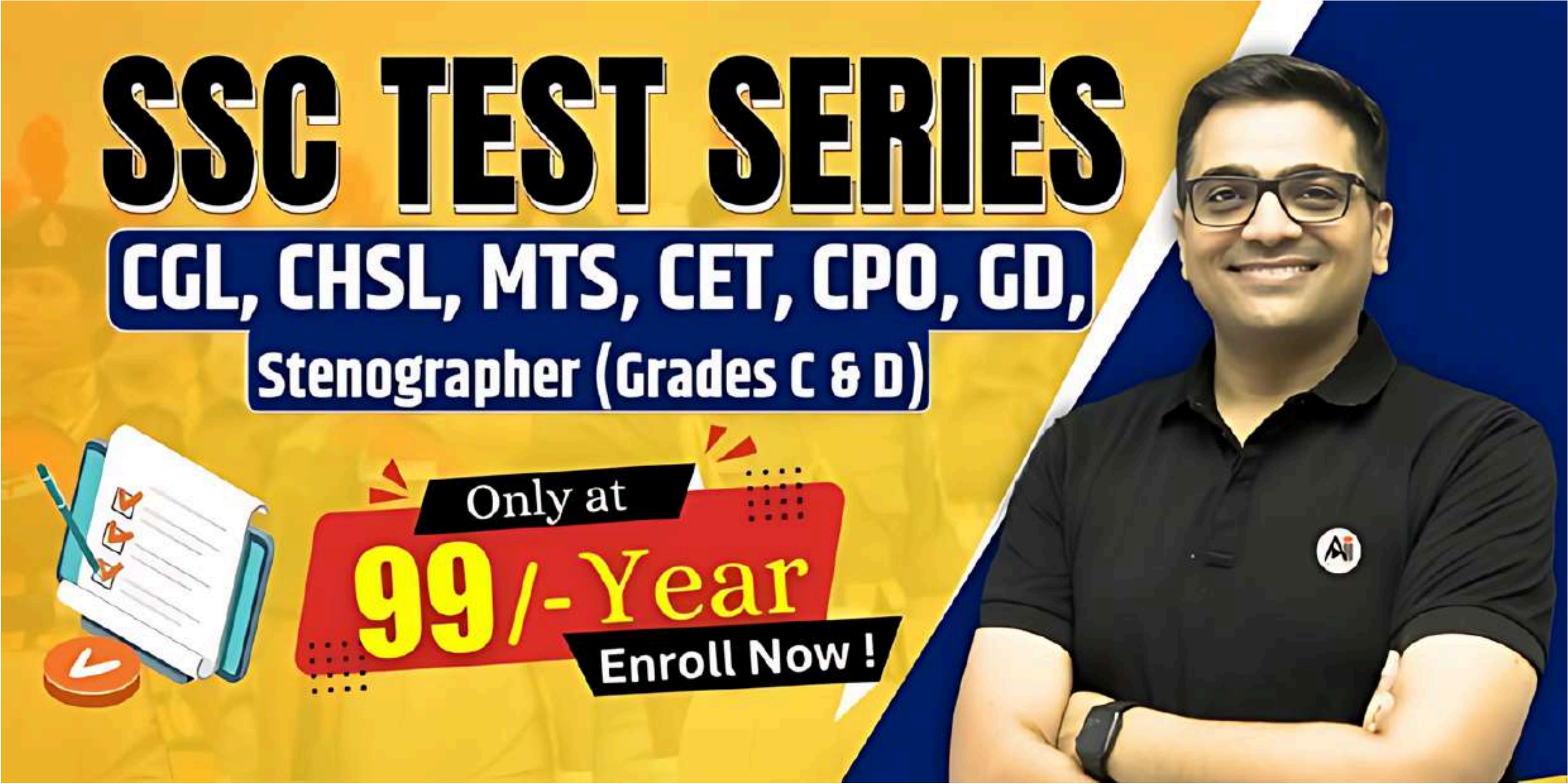
SSC TEST SERIES
CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)
Only at
99/-Year
Enroll Now !